स्व. श्री राम एवं शरद कुमार कोठारी

जन्म दिनांक- १४ अक्टूबर १९७० | बलिदान दिवस-२ नवम्बर १९९०

पिता श्री हीरालाल जी कोठारी एवं माता सुमित्रा देवी के पुत्र श्री राम एवं शरद कुमार कोठारी को दिनांक ३० अक्टूबर १९९० को बाबरी ढांचा पर भगवा ध्वज फहराने के पश्चात् २ नवम्बर को गोलियों से भून से डाला गया। यह समाचार भारत के अतिरिक्त ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा इत्यादि देशों के प्रमुख समाचार पत्रों में सम्पूर्ण वृत्तांत के साथ छपा।

शान्तिकाल में मेघ संचित वसुन्धरा के अन्न से राष्ट्र धन धान्य से परिपूर्ण हो सुखी सम्पन्न होता है। लेकिन उदयकाल में रक्त रंजित वसुन्धरा से उत्पन्न अन्न को ग्रहण करनेवाली माताओं के कोख से वीरों की फसल उत्पन्न होती है और तभी जातियाँ करवट लेती हैं। नये राष्ट्रों का उदय होता है व इतिहास पुनः लिखा जाता है। ऐसे ही युवा बलिदानी श्री राम एवं शरद कोठारी थे जिनका नाम इतिहास में अंकित हो गया है। उनकी स्मृति को अक्षुण्ण रखने एवं शौर्यपूर्ण कार्यों की स्मृति में महासभा द्वारा श्री कोठारी समाज की यह भाव भीनी श्रद्धांजलि का प्रतीक है।

मालिक तेरी रजा रहे; और तू ही तू रहे।
बाकी न मैं रहूँ, मेरी आरजू रहे।